समाचार और प्रतिवेदन

स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव
राज्य स्तरीय कार्यक्रम

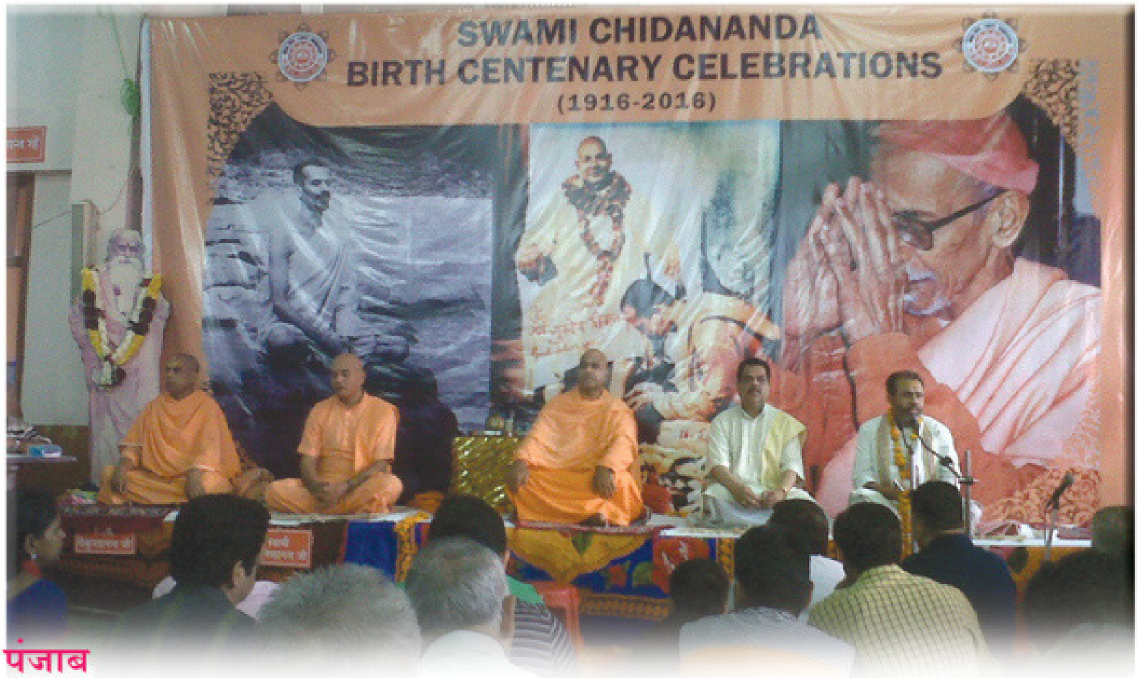

पंजाब

स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव के तत्त्वावधान में, डी एल एस जालन्धर शाखा ने दिनांक २८ अप्रैल से ७ मई २०१५ तक एक साधना शिविर एवं ॐ दिव्य प्रेम मन्दिर का वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया।

२८ अप्रैल से ६ मई तक वृन्दावन के श्री कृष्ण चन्द्र शास्त्री द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हुआ तथा शाखा द्वारा श्री रामचरित मानस का अखण्ड पाठ भी किया गया। ५ एवं ६ मई को एक साधना शिविर का आयोजन किया गया जिसमें परम पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज (स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव, प्रबन्ध समिति अध्यक्ष), श्री स्वामी धर्मनिष्ठानन्द जी एवं श्री स्वामी वैकुण्ठानन्द जी मुख्यालय आश्रम से तथा श्री ब्रजेश पाठक जी (रामायणी) बरेली से सम्मिलित हुए और विभिन्न सत्रों में भक्तों को आध्यात्मिक जीवन के विविध पक्षों पर सम्बोधित किया।

समापन दिवस ७ मई को प्रभात-फेरी, पादुका-पूजा तथा श्रद्धेय स्वामीजिओं के आशीर्वचन हुए। विशेष प्रसाद के वितरण के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। विभिन्न डी एल एस शाखाओं के भक्त इन कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए।

परमपिता परमात्मा, सद्‌गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज तथा परम पावन श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के विपुल आशीर्वाद सब पर हों!

NRHIN2.jpg

मुख्यालय आश्रम में केनेडियन इन्टरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय आध्यात्मिक शिविर

मुख्यालय आश्रम में दिनांक १९ एवं २० मई २०१५ को बंगलौर के केनेडियन इन्टरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों हेतु दो दिवसीय आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उत्तराखण्ड में उनके त्रिसाप्ताहिक सान्दर्भिक शिक्षण कार्यक्रम (Contextual Learning Programme) का एक भाग था।

लगभग चौदह वर्ष के सत्रह विद्यार्थी अपने तीन अध्यापकों सहित इस शिविर में भाग लेने हेतु १८ मई सायंकाल पहुँचे। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज द्वारा उनका हार्दिक स्वागत किया गया। श्री स्वामी अमृतरूपानन्द माता जी द्वारा विद्यार्थियों को नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करने तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए इस शिविर की गतिविधियाँ अत्यन्त कुशलतापूर्वक निर्धारित की गयीं।

शिविर के दोनों दिन पूर्वाह्न सत्र का प्रारम्भ श्री स्वामी गुरुभक्तानन्द जी द्वारा योगासन कक्षा से

NRHIN3.jpg

हुआ। विद्यार्थियों ने योगासन सीखने में गहन रुचि एवं उत्साह का प्रदर्शन किया। तदुपरान्त श्री स्वामी अमृतरूपानन्द माता जी के मार्गदर्शन में स्वच्छ हिमालय सेवा प्रोजेक्ट (Clean Himalaya Seva Project) में सेवाएँ प्रदान की गयीं। विद्यार्थियों ने माँ गंगा के विभिन्न घाटों से कूड़ा-कचरा उठा कर गंगा स्वच्छता अभियान में अत्यन्त उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दोनों दिनों के पूर्वाह्न सत्र में ही, परम पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी महाराज ने उन्हें जप एवं कीर्तन की महत्ता समझाई तथा जय गणेश प्रार्थना भी अर्थ सहित सिखाई। इसके उपरान्त, विद्यार्थियों ने १९ मई को श्री स्वामी आत्मस्वरूपानन्द जी एवं श्री स्वामी अमृतरूपानन्द माता जी तथा २० मई को श्री गोपी जी के साथ 'परस्पर संवाद सत्र' में भाग लिया। परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज ने पावन समाधि-मन्दिर में अपने प्रेरक प्रवचनों के माध्यम से उन्हें सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के महिमामय जीवन-चरित से अवगत कराया।

सायंकालीन सत्र में, परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने प्रश्नोत्तर सत्र में उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उन्हें पूर्ण विश्राम (Relaxation) सम्बन्धी व्यावहारिक निर्देश भी दिये। समस्त प्रतिभागियों ने इस दिव्य शिविर में भाग ले कर तथा माँ गंगा के पुनीत तट पर स्थित सद्गुरुदेव के पावन धाम में पवित्र एवं शान्त जीवन का अनुभव कर स्वयं को धन्य अनुभव किया।

परम पिता परमात्मा एवं सद्गुरुदेव के आशीर्वाद सब पर हों !

NRHIN4.jpg